परिशिष्ट

Regional Institute of Education
LIBRARY

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल–462013

''लेखन त्रुटियों का परीक्षण अनुच्छेद''

इस अनुच्छेद द्वारा हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी कक्षा आठवीं स्तर पर लेखन त्रुटियों का अध्ययन किया जाना है ।

प्रिय विद्यार्थियों,

आपके समक्ष अनुच्छेद प्रस्तुत किया जायेगा ।

अनुच्छेद को मेरे द्वारा उसे बोला जायेगा और आप को उस अनुच्छेद को लिखना है शोधकर्ता द्वारा विद्यार्थियों को निम्नलिखित निर्देश दिए गए :–

1. आप सभी अपने–अपने स्थान पर बैठ जाइये एवं अपने पास कॉपी व पेन रखे ।
2. जब तक कार्य शुरू करने के लिए न कहा जाए तब तक कार्य शुरू न करें ।
3. पेज के उपर स्वयं का नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम, गांव, तहसील, जिला तथा राज्य का नाम लिखे ।
4. अपना कार्य स्पष्ट एवं साफ अक्षरों में लिखें ।
5. अनुच्छेद लिखते समय अपने साथी की नकल न करें ।

निर्देशक
प्रो. आई.के. बंसल
शिक्षा विभागाध्यक्ष

शोधकर्ता
विजुकांत पाटील
एम.एड. (प्रा. शि.) छात्र

''लेखन त्रुटियों का परीक्षण अनुच्छेद''

हेर-फेर (बोध कथा)

एक ग़रीब मज़दूर सारा दिन लहू–पसीना एक कर देने वाली मेहनत करने के बाद, साँझ के समय दो आने पैसे अपनी फटी–पुरानी चादर के कोने में बाँधकर शहर से निकला और मज़दूरों की बस्ती तरफ़ चला । बहुत दूर उसने अपने कच्चे झोपड़े के धुएँ को आकाश में चक्कर काटते देखा और देखते ही समझ गया कि उसकी माँ उसके लिए खाना पका रही है । वह नंगे सिर, नंगे पाँव जा रहा था । उसके घर में सिवाय उसकी बूढ़ी माँ के और कोई सगा–संबंधी न था । उसके घर में सिवाय एक चूल्हे और दो–चार बर्तनों के और कोई साज–सामान न था। मगर फिर भी वह खुश था, उसकी चादर में दो आने पैसे बँधे थे, उसके दिल में आशा भरी थी। सामने से एक बारात आ रही थी । मज़दूर ने उसे देखा और उसे ख्याल आया–हो सकता है, कभी मेरा भी ब्याह हो और मैं भी बारात लेकर ब्याहने निकलूँ । उस समय मैं कितना खुश हूँगा, मेरे साथ–साथ बाजे बज रहे होंगे, और ... बारात के आगे चलने वाले नौकरों ने उससे कहा, ''एक तरफ़ हट जा छोकरे।'' मज़दूर के ब्याह की कल्पना मिट्टी में मिल गई । वह खीझकर बोला, ''क्यों हट जाऊँ? सड़क सिर्फ़ तुम्हारी नहीं है । इस पर हम भी चल सकते हैं।''